अध्याय 2. वन्य एवं वन्य जीव संसाधन

प्रश्न – जैव विविधता क्या हैं ? यह हमारे लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं ?

उत्तर – वन्य जीवन और कृषि फसलों में जो इतनी विविधता पाई जाती हैं , उसे जैव विविधता कहते हैं । इनका हमारे लिए बहुत महत्व हैं क्योंकि इनके द्वारा हमारी विविध प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति होती हैं ।

प्रश्न – सामान्य जातियाँ से क्या तात्पर्य हैं ?

उत्तर – वे जातियाँ जिनकी संख्या जीवित रहने के लिए सामान्य मानी जाती हैं । जैसे :– पशु , साल , चीड़ , और कृन्तक इत्यादि ।

प्रश्न – संकटग्रस्त जातियाँ से आपका क्या तात्पर्य हैं ? कुछ संकटग्रस्त जातियों के उदाहरण भी दीजिए ।

उत्तर – ये वे जातियाँ है जिनके लुप्त होने का खतरा हैं , जिन विषम परिस्थितियों के कारण इनकी संख्या कम हुई हैं , यदि वे जारी रहती हैं तो इन जातियों का जीवित रहना कठिन हैं । उदाहरण :– काला हिरण , मगरमच्छ , भारतीय जंगली गधा , गैंडा , इत्यादि ।

प्रश्न – सभेद्य जातियाँ क्या हैं ? इन जातियों के कुछ उदाहरण भी दीजिए ।

उत्तर – ये वे जातियाँ हैं जिनकी संख्या घट रही हैं । यदि इनकी संख्या पर विपरीत प्रभाव डालने वाली परिस्थितियाँ बदल जाती और इनकी संख्या घट रही हैं तो यह संकटग्रस्त जातियों की श्रेणी में शामिल हैं तो यह संकटग्रस्त जातियों की श्रेणी में शामिल हो जाएगी । नीला भेड़ , एशिया हाथी , गंगा नदी की डाल्फिन इत्यादि इस प्रकार की जातियों के उदाहरण हैं ।

प्रश्न – दुर्लभ जातियाँ क्या हैं ?

उत्तर – वे जातियाँ जिनकी संख्या बहुत कम हो गई हैं और इनको प्रभावित करने वाली विषम परिस्थितियॉ परावर्तित नहीं होती तो यह संकटग्रस्त जातियों की श्रेणी में आ जाएगी ।

प्रश्न – भारत में वनों का बड़ा नुकसान किन कारणों से हुआ ?

उत्तर – भारत में वनों का बड़ा नुकसान उपनिवेश काल में रेल लाइन , व्यवसाय, वाणिज्य और खनन क्रियाओं में वृद्धि से हुआ ।

प्रश्न – झूम खेती से क्या तात्पर्य हैं ?

उत्तर – जब खेती स्थान बदल कर '' स्लेश और बर्न '' के तरीकों को अपनाकर की जाती हैं तो उसे झूम खेती कहते हैं ।

प्रश्न – हिमालयवन के बारे में बताइए ।

उत्तर – हिमालयवन एक औषधीय पौधा हैं जो हिमाचल प्रदेश और अरूणाचल प्रदेश के कई भागों में पाया जाता हैं । पेड़ की छाल , पत्तियों , टहनियों और जड़ों से टकसाल नामक रसायन निकाला जाता हैं तथा इसे कुछ कैंसर रोगों के उपचार के लिए किया जाता हैं । इससे बनाई जाने वाली दवाई विश्व में सबसे अधिक बिकने वाली कैंसर औषधि हैं ।

www.atpeducation.com

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com

प्रश्न – भारत में जैव विविधता को कम करने वाले कारक कौन से हैं ?

उत्तर – भारत में जैव विविधता को कम करने वालों में वन्य जीव के आवास का विनाश , जंगली जानवरों को मारना , पर्यावरणीय प्रदूषण , विषक्तिकरण और दावानल शामिल हैं ।

प्रश्न – भारतीय वन्यजीवन अधिनियम कब लागू किया गया था ?

उत्तर – सन् 1972 में ।

प्रश्न – भारतीय वन्यजीवन अधिनियम में किस चीज पर जोर दिया गया हैं ?

उत्तर – भारतीय वन्यजीवन अधिनियम के अंर्तगत बची हुई संकटग्रस्त जातियों के बचाव पर , शिकार प्रति बंधन पर , वन्यजीव आवासों का कानूनी रक्षण तथा जंगली जीवों के व्यापार पर रोक लगाने पर प्रबल जोर दिया हैं ।

प्रश्न – बाघ परियोजना के बारे में संक्षेप में बताइए ।

उत्तर – बाघ वन्य जीवों की एक महत्वपूर्ण जाति हैं । विश्व भर में इसके तेजी से घटती हुई संख्या सं चिन्तित हैं । विश्व के वन्य प्रणियों ने 1973 में बाघों की सुरक्षा के लिए बाघ परियोजना तैयार की । 20वीं शताब्दी के आंरभ में बाघ की अनुमानित संख्या जो 55,000 थी और वह 1973 में घटकर केवल 1827 रह गई । बाघों की गिनती में इस गिरावट के मुख्य कारण थे – व्यापार के लिये बाघों को मारना , उनके आवासीय स्थलो का कम होते जाना , एशिया के देशों में उनकी हड्डियों का दवाइयों में प्रयोग इत्यादि ।

प्रश्न – आरक्षित वन क्या हैं ? इस वर्ग के अंतर्गत कुल वन क्षेत्र का कितने प्रतिशत भाग शामिल हैं ?

उत्तर –वे वन जिन्हें इमारती लकड़ी अथवा वन उत्पादों को प्राप्त करने के लिए स्थाई रूप से सुरक्षित रख जाता हैं तथा जिनमें पशुओं को चराने तथा खेती करने की अनुमति नहीं होती , उन्हें आरक्षित वन कहते हैं। कुल वन क्षेत्र का 54.4 प्रतिशत भाग आरक्षित वनों के अंतर्गत आता हैं ।

प्रश्न – रक्षित वन क्या हैं ? इस वर्ग के अंतर्गत कुल वन क्षेत्र का कितने प्रतिशत भाग शामिल हैं ?

उत्तर – वे वन जिनमें कुछ सामान्य प्रतिबन्धों के साथ पशुओं को चराने की अनुमति दे दी जाती हैं , उन्हें रक्षित वन कहते हैं । कुल वन क्षेत्र का 29.2 प्रतिशत भाग रक्षित वनों के अंतर्गत आते हैं।

प्रश्न – अवर्गीकृत वन क्या हैं ? इस वर्ग के अंतर्गत कुल वन क्षेत्र का कितने प्रतिशत भाग शामिल हैं ?

उत्तर – वे वन जिन पर सरकार का किसी भी प्रकार का कोई प्रतिब्रध नहीं होता, ऐसे वनों को अवर्गीकृत वन कहते हैं। कुल वन क्षेत्र का 16.4 प्रतिशत भाग इस के अतर्गत आता हैं ।

प्रश्न – भारत के किन–किन राज्यों में हाथी पाये जाते हैं ?

उत्तर – असम , केरल और कर्नाटक में ।

प्रश्न – सिंह कहाँ पाए जाते हैं ?

उत्तर – सिंह गुजरात में अधिकतर पाए जाते हैं ।

www.atpeducation.com

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com

प्रश्न – जैव आरक्षित क्षेत्र क्या हैं ?

उत्तर – जैव आरक्षित क्षेत्र एक बहुउद्देशीय सुरक्षित होता हैं , जहाँ वैज्ञानिकों , स्थानीय लोगों एवं सरकारी अधिकारी मिलकर कार्य करते हैं ताकि वन्य प्रणियों और प्राकृतिक सम्पदा की अच्छी ढंग से रक्षाकी जानी चाहिए ।

प्रश्न – राष्ट्रीय उद्यान क्या हैं ?

उत्तर – राष्ट्रीय उद्यान ऐसे रक्षित क्षेत्रों को कहते हैं जहाँ वन्य प्रणियों सहित प्राकृतिक वनस्पति और प्राकृतिक सुन्दरता को एक साथ सुरक्षित रखा जाता हैं ।

प्रश्न – पर्णपाती वन किसे कहते हैं ?

उत्तर – ऐसे वन जो हर वर्ष अपने पत्ते गिराते हैं उन्हें पर्णपाती वन कहते है ।

प्रश्न – वन संरक्षण के उपायों का वर्णन कीजिए ।

उत्तर – वन संरक्षण के उपाय :–

1. सबसे पहले वनों का काटना बिल्कुल बंद होना चाहिए ।
2. वन संरक्षण को कम करने के लिए हमें अधिक से अधिक से पेड़ उगाने चाहिए ।
3. लोगों को वृक्षारोपण के कार्य में अधिक से अधिक भागीदार बनाना चाहिएं।
4. वन संरक्षण के लिए सरकार को सभी वनों को अपने अधीन कर लेना चाहिए एवं जो वृक्ष काटे उस पर भरी जुर्माना लगाना चाहिए ।

प्रश्न – मानव के लिए वन क्यों उपयोगी हैं ?

उत्तर – मानव के लिए वन निम्नलिखित के लिए उपयोगी है :–

1. वनों से मूल्यवान पदार्थ जैसे इमारत लकड़ी, कागज के लिए आवश्यक सामग्री , लकड़ी गोंद , रबड़ इत्यादि प्राप्त होते हैं ।
2. मृदा का अपरदन रोकने में वनों का महत्वपूर्ण योगदान होता हैं ।
3. वर्ष लाने में भी वनों का महत्वपूर्ण योगदान होता हैं ।
4. वनों से अनेक प्रकार की जड़ी बूटियाँ प्राप्त होती हैं जिससे अनेक प्रकार की दवाइयाँ बनती हैं ।
5. वनों में उगने वाले घस –फूस पर अनेक पशुओं का जीवन निर्भर करता हैं ।

प्रश्न – वनों के विनाश से पारिस्थितिक तंत्र पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

उत्तर – वनों के विनाश से पारिस्थितिक तंत्र पर निम्नलिखित प्रभाव पड़ता है :–

1. वनों के विनाश से मृदा अपरदन की प्रक्रिया बहुत तेज हो जाती हैं ।
2. वनों के विनाश से वनों में रहने वाले विभिन्न जीव जन्तु या वन्य प्राणी भी बिल्कुल विलुप्त होने लगते हैं और बहुत से जंगली पेड़ पौधे भी समाप्त होने लगते हैं ।

www.atpeducation.com

Downloaded from: http://www.atpeducation.com/cbse-download.php Email: atpeducations@gmail.com